महायज्ञ

पूर्व केबिनेट मंत्री ने किया मंदिर परिसर में सामुदायिक भवन का लोकार्पण

महाप्रसाद वितरण के बाद गायत्री महायज्ञ का समापन

नवभारत, वारासिवनी। खैरलांजी मुख्यालय में गायत्री परिवार ट्रस्ट के तत्वावधान में तीन दिवसीय 9 कुण्डिय गायत्री महायज्ञ का समापन विधि विधान से हुआ। इस अवसर पर श्रदालुओ के द्वारा विशाल कलश यात्रा निकाली गई तथा विधी विधान अनुरूप पूजा-पाठ व मूर्तियो की प्राण प्रतिष्ठा की गई एंव महायज्ञ के साथ महा प्रसाद वितरण किया गया ।

समापन के अवसर पर बड़ी तादाद में श्रद्वालुगण मौजूद रहे। महायज्ञ समापन में पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल के द्वारा गायत्री मंदिर परीसर में 15 लाख रुपए की राशि से पूर्व में स्वीकृत सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर राजनितीक क्षेत्र की बडी बडी हस्तिया भी उपस्थित रही।

इस अवसर पर प्रमुख आतिथ्य के रूप में पूर्व सांसद बोधसिंह भगत , फेकनलाल डोहरे पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष, श्रीमति सुनिता मानसिंह बहेटवार जिला पंचायत सदस्य, श्रीमति ज्योति नागपुरे सरपंच, गुनीराम बघेले जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि, मानसिंह बहेटवार महामंत्री, राजकुमार बहेटवार मंडल उपाध्यक्ष,बाबुलाल मस्करे गायत्री परिवार अध्यक्ष, बोधराज जैतवार, धनलाल नगपुरे महाजन, बुधराम बिसेन सहित अन्य श्रदालुगंण मौजूद रहे।

भादूकोटा में संगीतमय नर्मदेश्वर शिवमहापुराण कथा का शुभारंभ

नवभारत, परसवाड़ा। मण्डला रोड स्थित ग्राम भादूकोटा के शिव मंदिर (चकिया पात बाबा) में रविवार से संगीतमय नर्मदेश्वर शिवमहापुराण कथा का शुभारंभ हुआ। इस धार्मिक आयोजन का प्रारंभ कलश यात्रा के साथ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान शिव का जयघोष किया।

आयोजन समिति के अनुसार यह कथा रविवार 08 फरवरी 2026 से सोमवार 16 फरवरी 2026 तक आयोजित की जा रही है। प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक कथा प्रवचन होगा, जिसमें कथावाचक श्री जितेन्द्र प्रज्ञानन्द जी महाराज, दमोह (म.प्र.) द्वारा शिवमहापुराण की कथा का रसपान कराया जाएगा।

आयोजकों ने क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं, माताओं-बहनों एवं गणमान्य नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण कर धर्म लाभ लेने की अपील की है। कथा के समापन पर सोमवार 16 फरवरी को महाप्रसाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

यह संपूर्ण आयोजन ग्राम भादूकोटा के समस्त ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों के सहयोग से किया जा रहा है। श्रद्धालुओं में आयोजन को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

शिवधाम बायपास मार्ग पर दो किमी पक्की सड़क बनने का मार्ग प्रशस्त

स्वीकृति के पश्चात लगभग 65 लाख की राशि से सड़क बनाने की प्रकिया शुरू

नवभारत, वारासिवनी। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के प्रयास आज फिर सफल हुये है। अधीक्षण यंत्री सेतू लोक निर्माण विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार शिवधाम मार्ग बायपास की सडक के निर्माण के लिये स्वीक्रति प्रदान कर दी गयी है।

गौरतलब है की वारा फलाई ओवर के निर्माण के पूर्व ही तात्कालिन समय मे गुडडा भैया ने गायत्री मंदिर से वारा तक पक्की सडक का निर्माण करा दिया था। किंतू गत विधानसभा का चुनावी माहौल शुरू हो जाने के कारण शिवधाम मार्ग बायपास का कार्य शेष रहा गया था।

वारा फलाई ओवर के निर्माण कार्य के शुरू होते ही दुसरी सडक शिवधाम मार्ग बायपास पर बढते आवागमन के कारण यह मार्ग पूर्णतह क्षतिग्रस्त हो गया था। साथ ही धूल के गूबार व अत्यधिक आवागमन से परेशान शिवधामवासीयो ने अनेको आंदोलन कर अपनी परेशानी दूर करने की प्रशासन से गुहार भी लगायी थी।

पिछले माह धरना व वार्डवासीयो के उग्र, तेज आंदोलन के समय गुडडा भैया भी स्थल पर पहुचे थे। किसी तरह स्थिती को नियत्रंण कर उन्होने तत्काल अधीक्षण यंत्री सेतू लोक निर्माण विभाग को निर्देश व पत्र प्रदान कर वारा फलाई ओवर से संबधित शिवधाम मार्ग बायपास को वारा फलाई ओवर की बची शेष राशी से ही निर्माण कार्य कराने के 8 जनवरी 26 को निर्देश दिये थे।

आज गुडडा भैया से प्राप्त जानकारी अनुसार इस मांग को शासन ने स्वीकार कर लिया है। अब स्वीक्रति के पश्चात शिवधाम बायपास मार्ग पर भी दो किमी पक्की व चौड़ी सडक लगभग 65 लाख रूपये की लागत से बनाने की प्रकिया शुरू की जा रही है। इस खबर के मिलते ही शिवधामवासीयो मे सर्वश्री प्रवीण खरोले,वायकर पारधी, रामसिंह पटेल, वेगेन्द्र चैधरी,बबलू फुलबांधे,आशुतोष ओहरे,रमेश कनोजे, संजू नांदरे आदि सहित सैकडो शिवधामवासीयो के चेहरे पर खुशी की लहर व्याप्त हो गयी है।

जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय में लैंगिक संवेदनशीलता पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

नवभारत, बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट के इतिहास विभाग द्वारा 10 फरवरी 2026 को 'लैंगिक संवेदनशीलता' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण एवं आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. सीमा श्रीवास्तव के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। अपने उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने लैंगिक संवेदनशीलता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज में बेटा-बेटी के भेदभाव को मानसिकता और सोच के स्तर पर समाप्त करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कार्यस्थलों पर बेटियों के साथ भेदभाव आज भी देखने को मिलता है, जो समाज के लिए चिंताजनक है। इस स्थिति को बदलने के लिए समझदारी, समान दृष्टिकोण और रूढ़िवादी मानसिकता में सुधार आवश्यक है। वेबिनार की मुख्य वक्ता सरोकार एनजीओ भोपाल की संस्थापक एवं सचिव श्रीमती कुमुद सिंह ने लैंगिक समानता पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि जेंडर एक सामाजिक-सांस्कृतिक अवधारणा है, जो समय के साथ बदलती रहती है। उन्होंने महिलाओं के श्रम को महत्व देने, रंगभेद और लिंगभेद को समाप्त करने तथा शिक्षा के माध्यम से लैंगिक समानता स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान की शुरुआत 'हम भारत के लोग' से होती है, जो किसी भी प्रकार के लिंग भेदभाव को स्वीकार नहीं करता। बिना लैंगिक समानता के गुणवत्तापूर्ण समाज का निर्माण संभव नहीं है।

दूसरे मुख्य वक्ता यशोदा गर्ल्स आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज नागपुर के प्राध्यापक डॉ. सूर्यकांत कापसीकर ने ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में लैंगिक समानता पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि प्राचीन काल में मातृसत्तात्मक समाज व्यवस्था थी और स्त्री-पुरुष में भेदभाव नहीं था। समय के साथ समाज में विषमता आई, जिसे दूर करने के लिए महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले और डॉ. भीमराव अंबेडकर जैसे महापुरुषों ने महत्वपूर्ण प्रयास किए। उन्होंने विद्यार्थियों और समाज को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जागरूक करने तथा जमीनी स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता बताई। वेबिनार की संयोजक डॉ. आशा गोहे ने कहा कि लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने जोर दिया कि बालिकाओं के संरक्षण का अभियान परिवार से ही शुरू किया जाना चाहिए। सह-संयोजक डॉ. रचना कोरी ने लैंगिक संवेदनशीलता को एक ऐसी प्रक्रिया बताया, जो लोगों को लिंग आधारित रूढ़िवादिता को पहचानने और समाप्त करने के लिए जागरूक करती है।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. पी.आर. कातुलकर, डॉ. सरिता खोब्रागड़े, प्रो. किशोरी लाल अहिरवार, डॉ. योगिता पटले, डॉ. सुप्रिया बिसेन, प्रो. रविशंकर मड़ावी एवं अतुल मेश्राम सहित अनेक प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। वेबिनार का मंच संचालन प्रो. प्राशु गौतम ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन डॉ. रचना कोरी द्वारा किया गया। इस सफल आयोजन ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को लैंगिक संवेदनशीलता के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बीमा कंपनी बजाज एलाइंस को देना होगा 2 लाख रुपये से अधिक की क्षतिपूर्ति राशि

बालाघाट। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग डॉ महेश कुमार चांडक और सदस्य श्रीमती हर्षा डोहरे की संयुक्त बैंच ने शिवपूजन मिश्रा को 2 लाख रुपये से अधिक की क्षतिपूर्ति राशि, ब्याज और हर्जाने के रूप में देने के आदेश बजाज एलाइंस इंश्योरेंस कंपनी नागपुर को दिए हैं। शिवपूजन मिश्रा ने अपनी हुंडई कार के लिए बीमा पॉलिसी ली थी, जो दुर्घटना 12 दिसंबर को आवेदक लालबर्रा के तरफ आ रहा था रात्रि में सामने अचानक गाय आ जाने के कारण उपरोक्त वाहन पेड़ से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। शिवपूजन मिश्रा ने अपनी कार का बीमा बजाज एलाइंस इंश्योरेंस कंपनी नागपुर से किया था, जिसकी पॉलिसी दिनांक 18 दिसंबर 2022 से 17 दिसंबर 2023 तक थी। दुर्घटना 12 दिसंबर को 2023 को हुई थी, उन्होंने तुरंत बीमा कंपनी को सूचना दी और वाहन को सुधारने के लिए कहा। लेकिन बीमा कंपनी ने दावा अस्वीकार कर दिया, जिसके बाद शिवपूजन मिश्रा ने उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज कराई।

अमृत मित्रों के साथ वारासिवनी नगर में आयोजित हुई जलसुनवाई, पेयजल की गुणवत्ता जांची गई

बालाघाट। शासन के निर्देशानुसार नगरपालिका परिषद वारासिवनी द्वारा नगर क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति की नियमित निगरानी एवं निरीक्षण का कार्य निरंतर जारी है। इसी कड़ी में मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री सूर्यप्रकाश उके के निर्देशन में नगर के सभी वार्डों में नागरिकों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रति सप्ताह मंगलवार को 'जलसुनवाई' का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में आज दिनांक 10 फरवरी 2026 को नगर के समस्त वार्डों में जलसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री उके की उपस्थिति में नागरिकों से पेयजल आपूर्ति एवं गुणवत्ता से संबंधित समस्याएँ सुनी गईं और उनका त्वरित निराकरण करने के प्रयास किए गए।जलसुनवाई के दौरान निकाय में पंजीकृत चयनित स्व-सहायता समूह की महिलाओं को 'अमृत मित्र' के रूप में साथ लेकर जलावर्धन योजना के अंतर्गत सप्लाई किए जा रहे पानी की गुणवत्ता की मौके पर ही वॉटर टेस्टिंग किट से जांच की गई। जांच में पानी के पी.एच., टर्बिडिटी, हार्डनेस एवं क्लोराइड स्तर की परख की गई, जिसमें निकाय द्वारा प्रदाय किए जा रहे पानी की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप पाई गई।मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री सूर्यप्रकाश उके ने बताया कि नगरवासियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना नगरपालिका की प्राथमिकता है और इस दिशा में हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

हर्ष त्यागी और उज्ज्वल यादव के तूफान में उड़ी ओडिशा, इटावा 7 विकेट से जीता

नवभारत, वारासिवनी। ऑल इंडिया देबधर ट्रॉफी 2026 के रोमांचक क्वार्टर फाइनल मुकाबले में आज खेल और पत्रकारिता का अनूठा संगम देखने को मिला। आज का मैच न केवल रनों की बारिश के लिए जाना गया, बल्कि चतुर्थ स्तंभ के प्रहरियों की गरिमामयी उपस्थिति ने भी आयोजन की शोभा बढ़ाई ?आज के इस विशेष मुकाबले में क्षेत्र के कई वरिष्ठ पत्रकार अतिथि के रूप में मौजूद रहे, जिनमें गणेश ठाकुर, अशफाक खान, अनिल लिल्हारे, सिकंदर मिश्रा, प्रणीत शुक्ला, मनीष हेड़ाऊ, विशाल गोखले, सागर देवगढ़े, सोनू मिश्रा, सचिन डोंगरे, अमित फुलमारी, विलास उरकुडें और कैलाश कसार शामिल थे। सभी ने खिलाड़ियों के खेल की सराहना की। मैच के शुभारंभ पर आयोजन समिति द्वारा सभी अतिथि पत्रकारों का आत्मीय स्वागत किया गया खेल भावना को सर्वोपरि रखते हुए, मुकाबले की शुरुआत से पूर्व मैदान में उपस्थित सभी खिलाड़ियों, दर्शकों और अतिथियों ने एक साथ खड़े होकर राष्ट्रगान किया, जिससे पूरा स्टेडियम देशभक्ति और अनुशासन के स्वर से गुंजायमान हो उठा।उड़ीसा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। उड़ीसा की ओर से तसरीफ खान और जतिन रजक सलामी जोड़ी के रूप में मैदान पर उतरे। उड़ीसा की शुरुआत सधी हुई रही, लेकिन इटावा के गेंदबाजों ने जल्द ही दबाव बना लिया: जतिन रजक: उड़ीसा को पहला झटका 2.2 ओवर में 11 रन के स्कोर पर लगा, जब जतिन रजक मात्र 5 रन बनाकर नवनीत कुमार की गेंद पर कैच आउट हुए। तसरीफ खान: दूसरे सलामी बल्लेबाज तसरीफ खान ने 17 गेंदों में 20 रन (3 चौके) बनाए, लेकिन टीम का स्कोर जब 31 रन पहुँचा, तब वे अर्जुन त्यागी का शिकार बने। दो विकेट गिरने के बाद अर्णव ने मोर्चा संभाला। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से दर्शकों का दिल जीत लिया और 40 गेंदों में 55 रनों की आतिशी अर्धशतकीय पारी खेली, जिसमें 9 शानदार चौके शामिल थे। उनकी इस पारी की बदौलत उड़ीसा ने 20 ओवर में 127/9 का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया।

पुलिस ने किया बैटरी चोरी का पर्दाफाश

नवभारत कटंगी 10 फरवरी। पुलिस ने 1 फरवरी को हुई बैटरी चोरी का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

7 फरवरी को ग्राम पाथरवाड़ा निवासी सुरेश साहू द्वारा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि 1 फरवरी की रात अज्ञात चोरों द्वारा अपने घर के पास खड़े चार ट्रैक्टर की बैटरियां चोरी हो गई। थाना प्रभारी द्वारा मामले की गंभीरता को ध्यान मे रखते हुये अज्ञात चोरो के विरुध्द मामला पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। एक टीम गठित कर अज्ञात चोरों की पतासाजी के लिए रवाना किया गया। मूखबिर की सूचना पर अज्ञात आरोपियों का पता चलने पर उन्हें गिरफ्तार कर 10 फरवरी को न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष रिमांड पर पेश किया गया, प्रकरण की विवेचना जारी है।

मिलेट मेला

तीसरे दिन एक हजार से अधिक किसानों एवं आमजन ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया

बालाघाट में 5 दिवसीय जिला स्तरीय मिलेट मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन

नवभारत, बालाघाट। 'किसान कल्याण वर्ष 2026' के अंतर्गत बालाघाट जिले में आयोजित पांच दिवसीय कृषि मेला सह प्रदर्शनी की श्रृंखला में जिला स्तरीय मिलेट मेला का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन कमला नेहरू सामुदायिक भवन, सर्किट हाउस रोड बालाघाट में संपन्न हुआ, जिसमें जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए सैकड़ों किसानों, कृषि उद्यमियों, वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिले में मिलेट्स (श्री अन्न) फसलों को बढ़ावा देना तथा किसानों को इनके उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन की आधुनिक तकनीकों से अवगत कराना था। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिकों और विषय विशेषज्ञों द्वारा मिलेट्स फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक, पोषण महत्व एवं बाजार संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

सहायक संचालक कृषि श्री राजेश खोबरागड़े ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि मिलेट्स, जिसे पहले गरीबों का भोजन माना जाता था, आज स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होने के कारण 'अमीरों की दवा' के रूप में पहचाना जाने लगा है। उन्होंने बताया कि श्री अन्न फसलें लुप्त होने की कगार पर पहुँच रही थीं, लेकिन राज्य सरकार द्वारा संचालित 'राज्य मिलेट मिशन योजना' के माध्यम से इनके संरक्षण एवं संवर्धन के प्रयास किए जा रहे हैं।

मेले में विभिन्न महिला समूहों एवं कृषक उत्पादक कंपनियों द्वारा मिलेट्स से बने उत्पादों के स्टॉल लगाए गए, जहाँ कोदो चावल, कुटकी चावल, बाजरा आटा, रागी आटा आदि का विक्रय किया गया। मेले का प्रमुख आकर्षण 'श्री अन्न प्रसादम काउंटर' रहा, जहाँ मिलेट्स से बने स्वादिष्ट व्यंजन जैसे कोदो का डोसा, कुटकी की खीर, कुटकी का हलवा, रागी का हलवा, मिलेट लड्डू, ज्वार-बाजरा-रागी की रोटी, भड़ता, कुकीज एवं मिलेट केक आदि ने किसानों और नागरिकों को खासा आकर्षित किया। इस प्रदर्शनी सह मेले में आम जन जैविक गुड़, चिन्नौर, चना, रागी, मक्काह, ज्वारर, बाजरा, तुअर दाल, कच्चीं घानी का तिल्ली, सरसों, अलसी, मूंगफली का तेल एवं अन्यर सामग्री उत्साहह के साथ क्रय कर रहे हैं।

कार्यक्रम में लगभग 1000 से 1100 किसानों ने सहभागिता कर मिलेट्स फसलों से संबंधित नई जानकारियाँ प्राप्त कीं। इस दौरान श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन एवं विपणन के आधुनिक तरीकों पर भी विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया।

इस आयोजन में उपसंचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय, कृषि महाविद्यालय वारासिवनी के कृषि वैज्ञानिक डॉ. शरद बिसेन, कृषि विज्ञान केंद्र बड़गांव के प्रमुख डॉ. एस.आर. धुवारे, सहायक संचालक कृषि श्री राजेश खोबरागड़े, श्री खेलावन डहरिया एवं श्री विनय धुर्वे सहित कृषि विभाग के अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मिलेट मेले का यह आयोजन किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक सिद्ध हुआ, जिससे जिले में श्री अन्न फसलों के प्रति जागरूकता और रुचि में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

हम तो बस इंसान से मिलना पसंद करते हैं : सागर

संत रविदास जयंती पर कवियों ने बांधा समां

नवभारत कटंगी 10 फरवरी। संत शिरोमणि रविदास जयंती पर सुक्कुटोला में कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विधायक विवेक पटेल, कार्यक्रम अध्यक्ष रामचंद्र जैतवार स्थाई पटेल, लोमहर्ष बिसेन जिप सदस्य, जावेद अली, रेखा मुन्ना राणा सरपंच, निशा धार्मिक इनवाते जप सदस्य प्रमुखता से मंच पर उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम अतिथियों का फूलमाला और पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। उसके बाद संत रविदास की जीवनी पर वक्ताओं द्वारा प्रकाश डाला गया। शाम पांच बजे से कवि सम्मेलन शैलेश शैल के शानदार संचालन और संजय अश्क के संयोजन में प्रारंभ किया गया, जो देर रात तक चला। सर्वप्रथम संत रविदास की वंदना गोविंदा गावठी द्वारा प्रस्तुत की गई।

हम विश्व में नम्बर वन रेस के लिए लड़ें : अश्क

बालाघाट के कवि किशोर सागर की पंक्तियां 'मुस्कुराकर शान से मिलना पसंद करते है, सच कहूं ईमान से

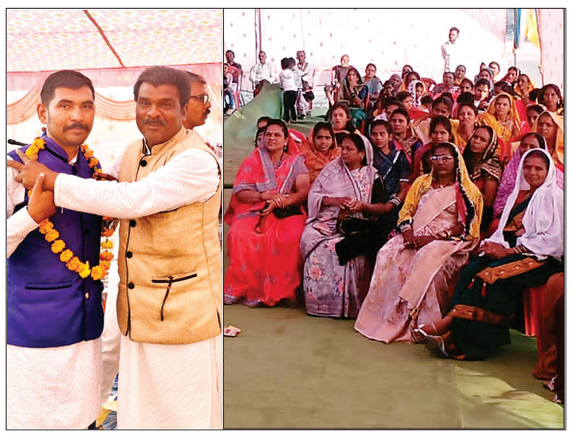

मिलना पसंद करते है। जाति धर्म की बातें सब बेतुकी सी बात है, हम तो बस इंसान से मिलना पसंद करते है,' पर खूब तालियां मिली। संजय अश्क के मुक्तक 'भारतीय संस्कृति वेश-भेष के लिए लड़ें, हम विश्व में नम्बर वन रेस के लिए लड़ें। कुछ नहीं मिलता जाति-धर्म पर लड़कर,चलो सब मिलकर देश के लिए लड़ें,' पर खूब वाहवाही मिली।

सारे रिश्तों को आपस में फिर जोड़ दें : गावठी

गोविंदा गावठी के गीत 'इन हवाओं का तथागत, तू रुख मोड़ दे, सारे रिश्तों को आपस में फिर जोड़ दें, बिखरा बिखरा मेरा संगठन जोड़ दे, अब तो घर घर में रैदास तू छोड़ दे,' इन गीतों को श्रोताओं ने मन लगाकर सुना। सावनेर के इशारा बुंदेली की पंक्तियां 'संत शिरोमणि रविदास की शान में कुछ काम हो रहे हैं, जो अब तक ना हुये वो इंतजाम हो रहे हैं, नैय्या तो पार लगाएंगे गुरुजी उनके चरणों में हम सबके नाम हो रहे है,' पर श्रोताओं ने तालियां से अपार प्रेम लुटाया। अंत में सभी अतिथियों और कवियों का आभार सतिश बिंझाडे,र जेश पंडवार और अन्य ने व्यक्त किया।